

मुख्यमंत्री ने गूगल क्लाउड के सीटीओ और उनकी टीम के साथ बेंगलुरु में की बैठक, तकनीक की मदद से तेज होगा विकास गूगल और योगी सरकार मिलकर काम करेंगे

रोड शो

बेंगलुरु/लखनऊ, हिटी। विकसित उत्तर प्रदेश के विजन को वैश्विक टेक्नोलॉजी और निवेश जगत के साथ जोड़ने की दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेंगलुरु दौरे के दौरान गूगल क्लाउड के मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर-सीटीओ) तरुण पंत और उनकी टीम के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। गूगल इंडिया की ओर से कहा गया कि कंपनी भारत के विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और उत्तर प्रदेश सरकार के साथ मिलकर इन लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के अवसर को लेकर उत्साहित है। बैठक के दौरान सीटीओ तरुण पंत और गूगल टीम के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), क्लाउड टेक्नोलॉजी, डिजिटल गवर्नेंस और डेटा आधारित समाधानों के माध्यम से विकास कार्यक्रमों को अधिक प्रभावी बनाने पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने गूगल की टीम के साथ इस बात पर भी विचार-विमर्श किया कि टेक्नोलॉजी के माध्यम से सरकारी



मुख्यमंत्री योगी ने बुधवार को बेंगलुरु में आयोजित रोड शो के दौरान गूगल समेत कई बड़ी कंपनियों के अधिकारियों संग वार्ता की।

उद्योग जगत ने सराहा

बेंगलुरु में यूपी की विकास यात्रा और निवेश संभावनाओं की गुंज सुनाई दी। ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर टेक्नोलॉजी, इश्योरेंस, स्टार्टअप और मानव संसाधन क्षेत्र से जुड़े उद्योग जगत के दिग्गजों ने प्रदेश को निवेश, नवाचार, रोजगार सृजन का सबसे सम्भावनाशील स्थल बताया।

सेवाओं की पहुंच और प्रभावशीलता को कैसे बढ़ाया जा सकता है। किसानों, युवाओं, स्टार्टअप्स, एमएसएमई क्षेत्र और आम नागरिकों के जीवन में

जीसीसी में यूपी अग्रणी

ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) उद्योग विशेषज्ञ और एआई रणनीतिकार अनिल पद्मानाभन ने कहा कि उत्तर प्रदेश की मजबूत शासन व्यवस्था, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेश समर्थक वातावरण इसे जीसीसी क्षेत्र के लिए आदर्श गंतव्य बनाता है। निरंतर संवाद राज्य को नई पहचान दे रहा है।

सकारात्मक बदलाव लाने के लिए नवाचार आधारित समाधानों पर भी चर्चा हुई। राउंड टेबल बैठकों और रोड शो से पहले आयोजित इस संवाद में

रोजगार सृजन को रफ्तार

एओन की निदेशक शेरिन जॉन ने कहा कि उनकी कंपनी नोएडा कार्यालय का विस्तार कर रही है और 600 से 1000 अतिरिक्त कर्मचारियों को जोड़ने की योजना है। टीमलीज सर्विसेज की प्रबंध निदेशक अपर्णा मित्रा ने कहा कि यूपी में उपलब्ध विशाल प्रतिभा, इंफ्रास्ट्रक्चर इसे निवेश का प्रमुख केंद्र बना रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने आम नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने, किसानों की आय बढ़ाने, युवाओं के लिए नए अवसर सृजित करने पर जोर दिया।

यूपी में वह सब मिलेगा, जिसकी भारत को अपेक्षा

मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी में अब वह सब मिलेगा, जिसकी भारत को अपेक्षा है। बेहतर कानून व्यवस्था, विश्वस्तरीय संसाधन, देश के 60% एक्सप्रेसवे, 16,000 किमी. रेल नेटवर्क और 4 लाख किमी. सड़क नेटवर्क यूपी के पास है। वाराणसी-हल्द्वी राष्ट्रीय जलमार्ग, दिल्ली-मेरठ रैपिड रेल, सात शहरों में मेट्रो, ईस्टर्न व वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का जंक्शन के रूप में बेमिसाल कनेक्टिविटी यूपी की पहचान है।

निवेशकों को मिलेगा रिकल्ड मैनपावर

रिकल्ड मैनपावर के प्रति आश्चर्य करते हुए योगी ने कहा कि यूपी हर साल 2 लाख स्टेम ग्रेजुएट्स तैयार करता है। दो आईआईटी, एक आईआईएम, तीन टेक्निकल यूनिवर्सिटी और तकनीकी-व्यावसायिक शिक्षा का नेटवर्क है।

निवेशकों को मिलेगी सुरक्षा, सुविधा व नीतिगत स्थिरता

मुख्यमंत्री ने बिजनेस लीडर्स को आश्चर्य करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की डबल इंजन सरकार हर निवेशक को सुरक्षा, सिंगल विंडो सुविधा और नीतिगत स्थिरता देगी। यूपी के बारे में आपने जो संभावनाएं सुनी हैं, उन्हें आप अपने निवेश से स्वयं महसूस करेंगे।

15 कंपनियों के साथ एमओयू

रोडशो के दौरान विभिन्न क्षेत्रों की 15 कंपनियों के साथ 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश संबंधी समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। होराइजन (ब्लैकस्टोन), एम्बेसी, रहेजा माइंडस्पेस आरईआईटी और प्रेस्टिज ग्रुप जैसे प्रमुख डेवलपर्स ने निजी औद्योगिक एवं बिजनेस पार्क परियोजनाओं में निवेश की प्रतिबद्धता जताई। वहीं एलजी, इनमोबी, अमेरिप्राइज, एओएन, मेटलाइफ और टेबलटस्पेस जैसी वैश्विक कंपनियों ने नए ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) स्थापित करने की घोषणा की। टीमलीज ने जीसीसी क्षेत्र के लिए प्रतिभा विकास एवं कौशल संधर्भ में सहयोग देने का आश्वासन दिया।